स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

पिग्मी हॉग (*परकुला सैल्वानिआ*) जंगली सूअर की प्रजाति का एक छोटा जीव है। भारत में विलुप्ति के खतरे से जूझ रहे जानवरों मे शायद इसका पहला स्थान है। पहले यह सारे भारत, नेपाल और भूटान में पाया जाता था लेकिन आज यह सिर्फ असम में ही पाया जाता है। संख्या भी बस 150 के आसपास है। हाल ही बचाव के लिए किए गए कुछ प्रयासों से इनकी संख्या बढ़ने की संभावना है।

इनका शरीर 55 से 71 से.मी. लंबा और 20-30 से. मी. ऊंचा और पूंछ की लंबाई लगभग 2.5 से.मी. होती है। इनका भार 6.6 से 11.8 कि.ग्रा. के बीच होता है। इनकी त्वचा काली-भूरी और फर का रंग गाढ़ा होता है। ये जंगलों में छोटे गड्ढे खोदकर अपने रहने का इंतज़ाम करते हैं और दिन में गर्मियों के समय अपनी इन्हीं गुफाओं में ही रहते हैं। ये पौधों की जड़ें, कंद, कीड़े-मकोड़ों, चूहे-गिलहरी और कुछ छोटे उभयचरों को भोजन के रूप में इस्तेमाल करते हैं।

इनका जीवन लगभग 8 साल का होता है और ये 1-2 साल की उम्र में लैंगिक रूप से परिपक्व हो जाते हैं। ये मानसून से पहले मेटिंग करते है और 100 दिनों के गर्भ के बाद 3-6 बच्चों को जन्म देते हैं।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी